Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Department of Hindi

Course Type: AEC-I

Course Title: हिंदी भाषा शिक्षण

Course Code: 101HIN1701

Credits: 02 **Max. Marks: 50** **Lectures: 30 Hrs.**

Learning Objectives:

LO 1. छात्रों को भाषाई प्रकृति से अवगत करवाना.
LO 2. छात्रों के श्रवण कौशल का विकास करना.
LO 3. हिंदी भाषा के स्वर-व्यंजन का परिचय कराना.
LO 4. श्रवण कौशल के महत्त्व को समझाना.

Course Outcomes:

After completion of course the student will be able to-

CO 1. छात्र भाषाई कौशल से अवगत होंगा.
CO 2. छात्र द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी के बढ़ते महत्त्व से परिचित होंगा.
CO 3. छात्रों का श्रवण कौशल विकसित होगा.
CO 4. छात्र हिंदी भाषा के स्वर व्यंजन के माध्यम से हिंदी के महत्त्व को समझेंगा.
CO 5. छात्र देवनागरी लिपि के मानकीकरण अवगत होंगा.
CO 6. छात्र श्रवण कौशल से परिचित होंगा.
CO 7. छात्र श्रवण कौशल की विकास प्रक्रिया को समझ पायेगा.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**हिंदी भाषा एवं श्रवण कौशल**	०८
	1. भाषा की प्रकृति एवं द्वितीय भाषा की संकल्पना 2. भाषाई कौशल के प्रकार	
	Unit Outcomes: UO 1. द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी के महत्त्व को समझेगा.. UO 2. भाषाई कौशल के प्रकारों का परिचय होगा..	
II	**स्वर-व्यंजन का सामान्य परिचय**	०६
	1. स्वर का विस्तृत परिचय 2. व्यंजन का विस्तृत परिचय	
	Unit Outcomes: UO 1.स्वर-व्यंजन के माध्यम से छात्रों उच्चारण कौशल विकसित होगा.. UO 2.स्वर-व्यंजन के माध्यम से छात्र हिंदी भाषा के वर्णमाला को समझेंगे.	

III	**श्रवण कौशल**	**१०**
	1. श्रवण कौशल का अर्थ एवं महत्त्व 2.श्रवण कौशल को विकसित करने की प्रक्रिया	
	UO 1. श्रवण कौशल के महत्त्व को समझ पायेंगे. UO 2. श्रवण कौशल को विकसित करने की प्रक्रिया के माध्यम से कौशल का विकास होगा.	
IV	**देवनागरी लिपि का मानकीकरण**	**०६**
	1. देवनागरी लिपि का परिचय 2. देवनागरी लिपि का मानकीकरण	
	UO 1. देवनागरी लिपि के परिचय से छात्रों को लिपि के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे. UO 2. देवनागरी लिपि का मानकीकरण से लिपि के विकसित रूप से अवगत होंगे.	

Learning Resources:

1. भाषा प्रयुक्ति - मनोरमा गुप्त
2. भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण – डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन कानपूर, उ. प्र.२००४
3. हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका- डॉ. भोलानाथ तिवारी, दक्षिण भारत हिंदी विचार सभा, मद्रास
4. मानसरोवर (भाग ८) – प्रेमचंद १९७५
5. व्यावहारिक हिंदी – डॉ. रविन्द्र श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,१९९७
6. प्रयोगात्मक हिंदी – गिरिजानन रंगु, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,२०००
7. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, नई दिल्ली ,१९७७
8. व्यावहारिक हिंदी – डॉ. रामानुज गिल्डा, लोकविद्या प्रकाशन, परभणी ,२००९
9. प्रतिनिधि कविताएँ – अमृता प्रीतम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली